अध्याय –11

'सूर के पद'

अभ्यास-कार्य

1. काव्यांश को पढ़कर निम्न लिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए :-

मैया, कबहिं बढैगी चोटी ?
किती-बार मोहिं दूध पियत भई, यह अजहूँ है छोटी।
तू जो कहति बल की बेनी ज्यौं ह्वे है लाँबी मोटी।
काढ़त - गुहत न्हवावत जैहै, नागिनी सी भुइँ लोटी।
काँचौ दूध पियावत पचि-पचि, देत न माखन रोटी।
सूरज चिरजीवौ दोउ भैया, हरि हलधर की जोटी।

प्र० 1) कवि और कविता का नाम लिखिए।

उत्तर .....

.....

2) कान्हा अपनी माँ से क्या कह रहे हैं ?

उत्तर .....

.....

3) कृष्ण बलदाऊ के बारे में भैया से क्या कह रहे हैं ?

उत्तर .....

.....

4) कान्हा मैया से क्या शिकायत कर रहे हैं ?

उत्तर .....

.....

5) इस कविता में किसकी जोड़ी की बात की गयी है ?

उत्तर .....

.....

2. छाँटकर दी गई सन्धियों के रिक्त स्थान को भरिए –

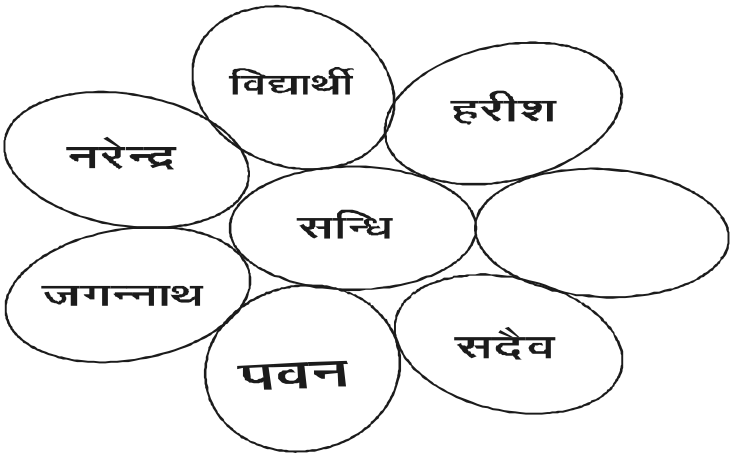

1) विद्या + ... -- .....
2) हरि + ... -- .....
3) ..... + ईश -- .....
4) नर + ... -- .....
5) ..... + एव -- .....
6) पो + ... -- .....
7) ..... + नाथ -- .....

3. दिए गए शब्दों से शुद्ध एवं अशुद्ध शब्द छाँटिए
(पैत्रिक, क्षत्रिय, अस्थिर, सहस्र, चरण, रनभूमि)

	शुद्ध		अशुद्ध
1)	.....	1)	.....
2)	.....	2)	.....
3)	.....	3)	.....

4. सही सुमेलित कर लिखिए

	उपभाषा	बोलियाँ		सही मिलान
1)	पूर्वी हिन्दी	मेवाती	1)	.....
2)	पश्चिमी हिन्दी	कुमाऊँनी	2)	.....
3)	बिहारी हिन्दी	अवधी	3)	.....
4)	राजस्थानी हिन्दी	ब्रजभाषा	4)	.....
5)	पहाड़ी हिन्दी	भोजपुरी	5)	.....

egyanarchive